वर्ष-11 | अंक- 11 | भोपाल, 03 नवम्बर से 09 नवम्बर 2025 तक

पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मुल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

शिवराज ने थमाई लिस्ट, सीएम बोले- जो मांगोगे सब मिलेगा

सीएम यादव बोले- हमारे राष्ट्रीय नेता जो मांगेंगे सब मिलेगा

सीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं शिवराज जी की बात मान लेता हूं। अगला चुनाव विदिशा नगर निगम का ही होगा। उन्होंने शिवराज सिंह से कहा कि आप बता देना किन-किन गांवों को जोड़ना हैं। सीएम ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेता हमारे साथ हैं तो सब मिलेगा। स्टेडियम को भी आधुनिक बनाया जाएगा। सेंधवा नदी पर सिंचाई परियोजना की घोषणा करता हूं। सड़कों पर भी काम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विदिशा भोपाल फोरलेन मार्ग के निर्माण का कार्य स्वीकृत किया जाएगा। यह फोरलेन सलामतपुर सांची होकर बनेगा। इसके साथ ही विदिशा-अहमदनगर रोड निर्माण सहित अन्य सुझावों को शासन से स्वीकृति दी जाएगी। सीएम ने कहा- खिलाड़ियों और युवाओं के प्रोत्साहन के सभी कार्य होंगे। उन्होंने खेल उत्सव में क्रिकेट, कबड्डी, मलखंभ और अन्य खेलों के शामिल करने के प्रयासों की सराहना की।

उदय प्रताप सिंह चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की है कि विदिशा में अगला चुनाव नगर निगम के रूप में होगा। सीएम ने कई सड़कों के निर्माण के साथ ही आधुनिक स्टेडियम निर्माण का भी ऐलान किया। मुख्यमंत्री यादव विदिशा में सांसद खेल महोत्सव के शुभारंभ के मौके पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शिवराज सिंह चौहान को लेकर कहा कि भाई साहब जो बातें कही है, मैं वो सब मान लेता हूं। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव भी इस मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने कहा- खिलाड़ियों को आईपीएल नहीं बल्कि देश के लिए खेलने के लिए तैयार करें। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे।

शिवराज सिंह की मांगों पर मुख्यमंत्री ने की कई घोषणाएं

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने अपने संबोधन में विदिशा को नगर निगम बनाने की मांग की। उन्होंने विदिशा शहर और जिले की सड़कों के विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने की मांग भी रखी। इसके साथ ही स्टेडियम को आधुनिक बनाने की भी डिमांड की।

कपिल देव बोले- विदिशा के खिलाड़ियों को देश के लिए खेलते देखना चाहता हूं

कपिल देव ने कहा कि हमारे देश के युवा तेजी से खेलों में रुचि ले रहे हैं। इतने छोटे से शहर से इतने खिलाड़ी निकल रहे हैं तो यकीनन आगे चलकर कई खिलाड़ी देश के लिए खेलेंगे। मुझसे अभी किसी ने कहा- मेरे बेटे को आईपीएल खिला दो, तो मुझे दुख हुआ। मैंने कहा- बोलना है तो ये बोलो की मेरे बेटे को देश के लिए खिलाओ। मैं चाहूंगा की विदिशा के बच्चे देश के लिए खेलें। खिलाड़ियों से उन्होंने कहा कि लोग आपके लिए तालियां बजाएं तो मजा है।

खेल मंत्री बोले- विदिशा में स्पोर्ट्स क्लब बनाया जाए

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया खराब मौसम के चलते विदिशा नहीं पहुंच सके। इसलिए उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित किया। उन्होंने कहा सांसद खेल महोत्सव एक महत्वपूर्ण आयोजन है , इस दौरान स्पोर्ट्स क्लब विदिशा में स्टार्ट करने की बात कही। साथ ही खेल सुविधाओं से लैस स्टेडियम बनाने की भी बात कही।

कपिल देव के लिए ये बोले शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संबोधन की शुरुआत क्रिकेट से की। उन्होंने कहा कि जब वे 1983 में कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे, तब उन्होंने कपिल देव की जिम्बाब्वे के खिलाफ 175 रनों की ऐतिहासिक पारी देखी थी, जिसने भारतीय क्रिकेट का रुख बदल दिया। शिवराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह देश के युवाओं को खेलों के प्रति नई दिशा दे रहा है। इस अवसर पर संसदीय क्षेत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। इस दौरान स्टेडियम में दर्शकों की भारी भीड़ जुटी।

शिवराज ने किया कपिल देव का स्वागत

दोपहर में कपिल देव विदिशा पहुंचे थे, जहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनका स्वागत किया। इसके बाद दोनों खेल स्टेडियम पहुंचे।

25 दिसंबर तक चलेगा महोत्सव

यह महोत्सव दो महीने तक चलेगा, जो 30 अक्टूबर से शुरू होकर 25 दिसंबर को रायसेन जिले में समाप्त होगा। इस दौरान ग्राम पंचायत स्तर से लेकर संसदीय क्षेत्र स्तर तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें 37 हजार से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। यह आयोजन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र में हो रहा है।

विजेताओं को मिलेंगे लाखों के पुरस्कार

विधानसभा स्तर पर विजेताओं को क्रमशः 1.5 लाख, 1 लाख और 50 हजार रुपए के पुरस्कार मिलेंगे। संसदीय क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिताओं में 2.5 लाख, 2 लाख और 1.5 लाख रुपए के आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं।

निज निवास गणनायक पर प्रतिदिनानुसार भगवान श्री गणेश जी की संध्याकालीन आरती सम्पन्न की।सभी के जीवन में विघ्नहर्ता श्री गणेश जी का आशीर्वाद, सुख, समृद्धि एवं मंगल की वर्षा करते रहें।

गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ नर्मदा नदी के पावन जल में 6 मगरमच्छों का कराया जलप्रवेश

राज्य सरकार जीवों के संरक्षण के लिए है संकल्पबद्ध : मुख्यमंत्री

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार जीवों के संरक्षण के लिए संकल्पबद्ध है। माँ नर्मदा का वाहन माने जाने वाले मगरमच्छों को उनके नैसर्गिक आवास में पुनर्स्थापित करना हमारी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी है। मगरमच्छों के आवास के लिए यह अत्यंत अनुकूल है और उनकी उपस्थिति से नदी का पारिस्थितिक तंत्र एवं जल प्रवाह और अधिक सुदृढ़ होगा। यह महत्वपूर्ण पहल प्रदेश में चल रहे व्यापक वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक हिस्सा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को खंडवा जिले के नर्मदानगर (पुनासा) में विधिवत रूप से पूजन कर वन विहार भोपाल से लाये गये 6 मगरमच्छों को मां नर्मदा नदी के सलिल जल में स्वच्छंद छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में वन्यजीवों के साथ ही मगरमच्छ जलीय जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन में निरंतर वृद्धि होगी। प्रदेश में सभी प्रकार के जीवों के संरक्षण अभियान के तहत भारतीय संस्कृति में मनुष्य एवं वन्यजीव परस्पर एक दूसरे पर निर्भर हैं। मगरमच्छ जलीय पारिस्थितिक तंत्र की अहम कड़ी है। इंदिरा सागर परियोजना के बैक वाटर क्षेत्र में माँ नर्मदा के वाहन के संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से पूर्ण अनुकुल माहौल उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष वन विभाग के अधिकारियों ने प्रस्तावित ओंकारेश्वर अभयारण्य के संबंध में विस्तृत कार्ययोजना एवं जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि सामान्य वनमण्डल खण्डवा के कुल वनक्षेत्र-283773.23 हेक्टेयर अंतर्गत प्रस्तावित ओंकारेश्वर अभ्यारण्य का कुल क्षेत्रफल 61407.09 हेक्टेयर है। जिसमें खंडवा वनमंडल अंतर्गत पुनासा, मूंदी, चांदगढ़, बलडी परिक्षेत्र शामिल हैं, वहीं देवास वनमंडल के सतवास, कॉटाफोड, पुंजापुरा, उदयनगर आदि परिक्षेत्र शामिल हैं।

इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, खंडवा की विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे, खंडवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े सहित जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त श्री सुदाम खाड़े, आईजी श्री अनुराग, डीआईजी श्री सिद्धार्थ बहुगुणा, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक श्री शुभ रंजन सेन, मध्यप्रदेश के वन बल प्रमुख श्री वी.एन. अंबाड़े, वन संरक्षक खंडवा सुश्री वासु कनौजिया, वन मंडल अधिकारी श्री राकेश डामोर और अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल भाजपा जिलाध्यक्ष के नाम पर दुकानदारों को धमकाया

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल बीजेपी जिलाध्यक्ष रविंद्र यती के नाम पर दुकानदारों को धमकाने का मामला सामने आया है। इस मामले में यती ने कोलार थाने में शिकायत की है। उनका कहना है कि मेरे नाम पर फर्जी कॉल किया। जनता तो यही समझेगी कि भाजपा का जिलाध्यक्ष गुंडागर्दी करता है। इसलिए मामला स्पष्ट किया। मामला बुधवार देर रात का है। दरअसल, कोलार रोड स्थित ललिता नगर में कुछ दुकानों को रात में तोड़ा गया। इसे लेकर गुरुवार को कई दुकानदारों ने जिलाध्यक्ष यती से शिकायत की थी। इसके बाद यती ने उनके नाम पर फर्जी तरीके से कॉल करने वालों को फटकार लगाई।

कई दुकानों के चबूतरे भी तुड़वाए

आरोप है कि एक व्यक्ति ने कई दुकानों के चबूतरे तुड़वा दिए। इस पर जिलाध्यक्ष यती ने आपत्ति ली। इसी मामले में शिकायत की गई है।

जिलाध्यक्ष बोले- हथियार भी थे

इस मामले में जिलाध्यक्ष यती ने बताया, कल रात 11-12 के बीच ललिता नगर में गोकुल डेयरी के संचालक ने फर्जी रविंद्र यती बनकर दुकानदारों को कॉल किया। कहा गया कि दुकानें तत्काल तोड़ी जाए। इस दौरान चार-पांच दुकानों के चबूतरे भी तुड़वा दिए। सुनने में आया कि उनके पास हथियार थे और व्यापारियों को धमकाया गया। इस मामले में व्यापारियों ने शिकायत की तो मुझे मामले का पता चला। इसके बाद मैंने डेयरी के संचालक से बात की और पूछा कि कब कॉल किया? उन्होंने स्वीकार किया और कहा कि मैंने ही अपराध किया, मुझसे गलती हो गई। यदि ये मामला सामने नहीं आता तो शायद लोग यही समझते कि भाजपा जिलाध्यक्ष ने ही कॉल किया और वह इसी तरह से गुंडागर्दी करता है। इसकी शिकायत कोलार थाने में की है।

3 साप्ताहिक न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 03 नवम्बर से 09 नवम्बर 2025

विकसित बिहार-एनडीए की सरकार... बक्सर की जनता-जनार्दन का आशीर्वाद बिहार को अराजकता से मुक्त करने वाली एनडीए सरकार के साथ है।आभार बक्सर क्षेत्र वासियो।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

थाईलैंड में भोपाल के युवक की मौत

मेडिकल इक्विपमेंट कंपनी के टूर पर गया था

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल से 23 अक्टूबर को एक मेडिकल इक्विपमेंट कंपनी के कर्मचारियों का एक ग्रुप थाईलैंड की यात्रा पर गया था। इस ट्रिप में 5-6 युवा शामिल थे। इनमें भोपाल के दो नौजवान भी शामिल थे। इनमें से एक युवा की समुद्र में डूबने से मौत हो गई है। इसकी जानकारी पूर्व मंत्री और रहली विधायक गोपाल भार्गव ने फेसबुक पर शेयर की है।

एक को सुरक्षित बचाया

भार्गव ने फेसबुक पर लिखा- गढ़ाकोटा निवासी चंद्रकांत साहू के रिश्तेदार, भोपाल में निवासरत एवं बीएल लाइफ साइंस कंपनी में कार्यरत अंकित साहू का हाल ही में थाईलैंड के फुकेट में समुद्र की तेज लहरों में डूबने से असामयिक निधन हो गया। रेस्क्यू टीम द्वारा उनके मित्र निकेश को सुरक्षित बचा लिया गया। लेकिन, दुर्भाग्यवश अंकित को नहीं बचाया जा सका।

भार्गव ने मुख्यमंत्री कार्यालय को दी जानकारी

भार्गव ने आगे लिखा- यह अत्यंत पीड़ादायक समाचार मिलने पर गढ़ाकोटा निवासी चंद्रकांत साहू ने मुझसे संपर्क किया और पूरी स्थिति की जानकारी दी। परिवारजनों की चिंता एवं व्यथा को समझते हुए, मैंने तत्काल मुख्यमंत्री कार्यालय एवं उच्च स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की। पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया शीघ्र संपन्न कराने का अनुरोध किया।

थाइलैंड और भारतीय दूतावास की मदद से शुक्रवार को भोपाल पहुंचेगा शव

भार्गव ने आगे लिखा मुख्यमंत्री कार्यालय के एसीएस नीरज मंडलोई ने संवेदनशीलता दिखाते हुए दिल्ली स्थित थाईलैंड दूतावास एवं थाईलैंड में भारतीय दूतावास अधिकारी मुथु से समन्वय स्थापित किया। उनके सहयोग से शनिवार को पोस्टमार्टम प्रक्रिया संपन्न की जाएगी और 1 नवम्बर को अंकित साहू का पार्थिव शरीर भारत लाकर परिजनों को सौंपे जाने की पूरी व्यवस्था की गई है। इस पूरे कठिन समय में प्रशासनिक अधिकारियों का त्वरित सहयोग सराहनीय रहा।

भोपाल में सरेराह बीजेपी कार्यकर्ता से मारपीट

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल कोलार थाना क्षेत्र स्थित जेके अस्पताल के पास हॉकर्स कॉर्नर में तीन युवकों ने बीजेपी कार्यकर्ता और ठेकेदार से मारपीट कर दी। ठेकेदार हॉकर्स कॉर्नर के पास से अपनी कार लेकर निकल रहे थे कि तभी उन्हें एक युवक ने उन्हें गाली देकर रोका। इसके बाद साथियों के साथ मिलकर ठेकेदार के साथ मारपीट की। आरोपी का कहना था कि वह तेज कार चला रहा है और आजकल ज्यादा नेतागीरी दिखा रहा है। पुलिस के मुताबिक, समृद्धि अपार्टमेंट गोकुल नगर राजहर्ष कॉलोनी निवासी राज शर्मा (39) ठेकेदारी करते हैं, बीजेपी कार्यकर्ता हैं। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात वह अपनी आल्टो कार से जेके अस्पताल के पास हॉकर्स कॉर्नर होते हुए घर जा रहे थे। रात करीब एक बजे एक युवक ने उन्हें गाली दी। कार रोकी और उस युवक के पास पहुंचे। राज शर्मा ने पूछा कि गाली क्यों दे रहा है। इस पर युवक कहने लगा कि तू तेज कार चला रहा है और आजकल बहुत नेतागीरी कर रहा है। इसी बीच सफेद रंग की कार आकर रुकी। उक्त कार में आए युवकों ने आरोपी युवक के साथ मिलकर राज शर्मा के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट होती देख राज के परिचित पद्मेश भार्गव और योगेश पहुंचे। उन्होंने बीच बचाव किया। राज शर्मा ने बताया कि रात में वह शिकायत करने थाने नहीं पहुंचे थे। गुरुवार को थाने पहुंचे तो पुलिस उनकी शिकायत पर प्रकरण दर्ज नहीं कर रही थी। यह बात स्थानीय भाजपा नेताओं को पता चली तो वह थाने पहुंचे। थाने के बाहर बैठकर प्रदर्शन किया, तब जाकर एफआईआर दर्ज की गई। राज शर्मा का आरोप है कि मारपीट में उनकी कान की बाली और सोने की चेन कहीं गिर गई है। पुलिस ने सामान्य मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

टीचर क्लास में मोबाइल पर दिखाता था अश्लील वीडियो, एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

भिंड में एक टीचर पर क्लास में छात्राओं को मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाने का मामला सामने आया है। छात्राओं ने उस पर आपत्तिजनक हरकतें करने का भी आरोप लगाया। मामला देहात थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल का है। तीन छात्राओं की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी टीचर रामेंद्र सिंह कुशवाह को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट, धमकी देने और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। इधर,पुलिस की कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग ने देर रात शिक्षक को निलंबित कर दिया है। डर के कारण छात्राओं ने स्कूल जाना छोड़ा छात्राओं ने बताया कि शिक्षक कक्षा में पढ़ाने के दौरान मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाता था और अनुचित व्यवहार करता था। छात्राओं ने जब घर जाकर शिकायत करने की बात कही तो आरोपी ने उन्हें धमकाया। डर के कारण छात्राएं कई दिनों तक स्कूल नहीं गईं।

परिजन ने पूछा-तब छात्राओं ने बताया

छात्राओं के स्कूल न जाने पर परिजन ने पूछताछ की तो पूरा मामला सामने आया। परिजन पहले स्कूल पहुंचे और प्राचार्य से शिकायत की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर वे छात्राओं को लेकर देहात थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कक्षा 8वीं की एक छात्रा को फरियादी बनाया है। पुलिस ने स्कूल स्टाफ और प्रबंधन से भी जानकारी ली।

थाना प्रभारी बोले- केस दर्ज, जांच कर रहे

देहात थाना प्रभारी मुकेश शाक्य ने बताया कि छात्रा की शिकायत पर आरोपी शिक्षक रामेंद्र सिंह कुशवाह के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, धमकी देने और एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

करोड़ों लोगों की आस्था और अपार श्रद्धा के प्रतीक महापर्व छठ को राहुल गांधी द्वारा ड्रामा कहना न सिर्फ़ बिहार बल्कि सनातन संस्कृति का अपमान है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

शक्ति संतुलन की राजनीति में ट्रंप और शी जिनपिंग ने बड़ी सावधानी से अपनी चालें चलीं

दक्षिण कोरिया के बंदरगाह शहर बसान में हुए एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात को वैश्विक कूटनीतिक मंच पर एक बहुप्रतीक्षित क्षण कहा गया। दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने वार्ता 2019 के बाद हुई और उस पर विश्व की निगाहें इसलिए भी टिकी थीं क्योंकि अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध ने पिछले कुछ वर्षों में न केवल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को झकझोरा है, बल्कि आर्थिक विश्वास और राजनीतिक स्थिरता दोनों को हिला दिया है। ट्रम्प ने बैठक के बाद घोषणा की कि उन्होंने चीन पर लगाए गए टैरिफ को 57% से घटाकर 47% करने पर सहमति जताई है। इसके बदले में चीन ने तीन महत्वपूर्ण वादे किए— पहला, अमेरिकी सोयाबीन की खरीद तुरंत शुरू करना; दूसरा, दुर्लभ खनिज के निर्यात को जारी रखना और तीसरा, फेंटेनिल जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना। सतही तौर पर यह एक संतुलित सौदा प्रतीत होता है कि दोनों देशों ने कुछ दिया और कुछ लिया। परंतु प्रश्न यह है कि क्या शी जिनपिंग ने वास्तव में कोई रणनीतिक उपलब्धि हासिल की, या यह केवल प्रतीकात्मक राहत है जिसे घरेलू राजनीतिक संतुलन साधने के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है? देखा जाये तो टैरिफ में 10 प्रतिशत अंकों की कमी का निर्णय, अपने आप में, आर्थिक दृष्टि से सीमित प्रभाव वाला कदम है। यह अमेरिकी उपभोक्ताओं और आयातकों के लिए अस्थायी राहत तो लाएगा, पर चीन के लिए यह 'महान कूटनीतिक जीत' नहीं कही जा सकती। चीन पहले से ही 57त्न के उच्च टैरिफ के कारण अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा खो चुका था। ऐसे में 47त्न पर लौटना किसी बड़ी संरचनात्मक सुधार की गारंटी नहीं देता। बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि यह

अमेरिका की ओर से नियंत्रित नरमी का संकेत है, ताकि दोनों देशों के बीच संवाद की संभावना बनी रहे। शी जिनपिंग ने अपने हिस्से की रियायतें ऐसे क्षेत्रों में दीं जो सीधे-सीधे चीन के हितों को बहुत प्रभावित नहीं करते। उदाहरण के लिए, सोयाबीन की खरीद— यह चीन की खाद्य आवश्यकताओं का हिस्सा है, न कि किसी नयी उदारता का प्रतीक। इसी तरह, का निर्यात जारी रखना भी चीन की आर्थिक आत्मनिर्भरता के खिलाफ नहीं जाता; बल्कि यह विश्व बाजार में उसकी पकड़ बनाए रखने का ही तरीका है। हम आपको यह भी बता दें कि बसान वार्ता से ठीक पहले ट्रम्प ने अमेरिका के को परमाणु हथियार परीक्षण शुरू करने का निर्देश दिया था। यह घटना केवल संयोग नहीं थी, बल्कि एक स्पष्ट सामरिक संकेत थी कि अमेरिका यह जताना चाहता था कि उसकी डील कमजोर स्थिति से नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन के साथ आ रही है। इस संदर्भ में यदि शी जिनपिंग ने 10 प्रतिशत टैरिफ रियायत के बदले में बातचीत को पटरी पर लौटाया, तो यह उनकी कूटनीतिक विवेकशीलता तो दर्शाता है, पर यह कोई रणनीतिक विजय नहीं है। चीन के लिए बड़ी चुनौती यह है कि वह आर्थिक रूप से अमेरिका पर निर्भरता कम करना चाहता है, पर विश्व आपूर्ति श्रृंखला में उसकी भूमिका अभी भी नाजुक है। और तकनीकी उद्योगों के नियंत्रण के बावजूद, चीन को यह एहसास है कि अमेरिका की तकनीकी रोकथाम (ढ्ढ, चिप्स, हाई-टेक एक्सपोर्ट बैन) ने उसकी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षाओं को सीमित किया है। इसलिए बसान की बैठक को चीन द्वारा रणनीतिक स्थिति-संतुलन के प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी निर्णायक जीत के रूप में। उधर, डोनाल्ड ट्रम्प ने बैठक के बाद इसे कहा और अप्रैल में चीन की यात्रा की घोषणा भी की। परंतु ट्रम्प की सफलता का वास्तविक अर्थ घरेलू राजनीति में है। वह अमेरिकी मतदाताओं को दिखाना चाहते हैं कि उन्होंने चीन को कठोरता से घेरा, पर अंततः अपने उद्योगों के लिए व्यावहारिक सौदेबाज़ी भी की। अमेरिकी कृषि राज्यों के लिए सोयाबीन व्यापार पुनः आरंभ होना ट्रम्प के लिए चुनावी पूंजी जैसा है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बसान वार्ता से एक दिन पहले ही ट्रम्प प्रशासन ने रूस के परमाणु परीक्षणों के जवाब में अमेरिका द्वारा नए परमाणु हथियार परीक्षण की घोषणा की थी। इस प्रकार, अमेरिका ने एक ही मंच से दो संदेश दिये— रूस को सैन्य चुनौती और चीन को व्यापारिक नियंत्रित रियायत। यह वही द्विस्तरीय शक्ति प्रदर्शन है जिसकी नीति ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भी झलकती थी। देखा जाये तो यह वार्ता केवल अमेरिका और चीन के बीच नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के संतुलन की दिशा तय करने वाली घटना थी। ॠक्क्रष्ट का मंच, जो कभी मुक्त व्यापार और सहयोग का प्रतीक था, अब शक्ति-संतुलन और नियंत्रण का अखाड़ा बन गया है। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियाँ और चीन की प्रतिकारी व्यापार रणनीति इस मंच की मूल भावना को चुनौती दे रही हैं। दूसरी ओर, विश्व निवेशक इस समझौते को लेकर अभी भी आशंकित हैं। एशियाई बाजारों में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी सोयाबीन वायदा की कमजोरी बताती है कि बाज़ार को स्थायित्व का भरोसा नहीं है। इसका तात्पर्य यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब स्थायी सहमति की नहीं, बल्कि तत्काल अवसरों की राजनीति में फँस चुकी है।

संपादकीय

जागरुकता और कानून सख्ती से ही रुकेंगी ऑनर किलिंग

गुरुग्राम में पिता दीपक यादव ने परिवार की इज्जत बचाने के लिए अपनी बेटी पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मार कर हत्या की थी। पिता और बेटी के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद चल रहा था। चार्जशीट में आरोपी पिता दीपक ने बताया कि उसके गांव के लोग उसे टोकते थे कि तुम बेटी की कमाई खा रहे हो। बेटी के चरित्र पर भी उंगली उठाते थे। इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती थी। इसलिए बेटी की हत्या कर दी। अभी तक यही माना जाता रहा है कि ऑनर किलिंग के ज्यादातर मामले गरीब और पिछड़ेपन के कारण ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में ही होते हैं, किन्तु गुरुग्राम में हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि कुछ हद तक यह मानसिकता शिक्षित लोगों के बीच शहरों में भी व्याप्त है। देश एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था सहित दूसरे क्षेत्रों में छलांग लगा रहा है, वहीं आदिमयुगीन इस तरह की वारदात से भारत की छवि कलंकित हो रही है। दिल्ली की पत्रकार निरुपमा पाठक की मौत के साथ ऑनर किलिंग का मुद्दा सुर्खियों में आया था। आरोप था कि परिवार ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि वह गर्भवती थीं और अपनी जाति के बाहर के व्यक्ति से शादी करने की योजना बना रही थीं। इसके बाद राजधानी में संदिग्ध ऑनर किलिंग के दो और मामले सामने आए। हालांकि राजधानी में ऑनर किलिंग की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं आम हैं। ऑनर किलिंग के पीछे मूल कारण यह विचार है कि परिवार का सम्मान महिला की पवित्रता से जुड़ा होता है। ऑनर किलिंग के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वैवाहिक बेवफाई, विवाह से पहले यौन संबंध, अनुचित संबंध, तय शादी से इनकार करना या यहां तक कि बलात्कार भी। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है । करनाल की एक सत्र अदालत ने एक खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पाँच लोगों को पहली बार मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने खाप पंचायत के उस सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिसने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था और जो हत्या के समय मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करने को कहा था। सरकार ने सतर्क रुख अपनाते हुए तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के भारतीय दंड संहिता में संशोधन और खाप पंचायतों (जाति-आधारित संविधानेतर संस्थाएँ) पर लगाम लगाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्यों से परामर्श करने और ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई मानने वाले एक विशेष कानून को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह गठित करने का निर्णय लिया था। तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में, जहाँ दलित समुदायों का अपेक्षाकृत अधिक सशक्तिकरण हुआ है, अंतर्जातीय विवाहों की दर भी अधिक दर्ज की गई है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण द्वितीय के अनुसार, अंतर्जातीय विवाहों की राष्ट्रीय दर लगभग 5त्न है, लेकिन सशक्त दलित आबादी वाले राज्यों में यह दर अधिक है। विडंबना यह है कि इन्हीं राज्यों में ऑनर किलिंग की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। यह विरोधाभास एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करता है। ऑनर किलिंग वहाँ नहीं होती जहाँ जातिवाद सबसे ज़्यादा प्रबल होता है, बल्कि वहाँ होती है।

शिवराज जी, मोहन यादव जी,मैं फिर मांग कर रहा हूं, कर्ज में डूबे किसानों को तत्काल प्रति बीघा 20 हजार रुपए की सरकारी सहायता दी जाए! ताकि, किसान आत्महत्याएं रोकी जा सके!
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

बोले- तुम्हारे सर को बोलो-हॉस्टल से उठवा लें

झूमते हुए पुलिस से भिड़े एम्स के डॉक्टर

न्यूज क्राइम फाइल

एम्स भोपाल के डॉक्टरों के नशे में हंगामा करने का मामला शांत होने की बजाय और बढ़ गया है। इमरजेंसी गेट के सामने हुए इस विवाद का तीसरा वीडियो अब सामने आया है, जिसमें डॉक्टर खुलेआम पुलिस से बहस करते और धमकियां देते नजर आ रहे हैं। वीडियो में डॉक्टरों को कहते सुना जा सकता है कि हम यहां 10 साल से शराब पी रहे हैं और तुम्हारे सर को बोलो हॉस्टल से उठवा लो। पुलिस की समझाइश के बावजूद डॉक्टर लगातार अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे। वहीं, पुलिस ने अब इस मामले में आरक्षक अजय गुर्जर की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है। आरोप लगाए गए हैं कि डॉक्टरों ने सरकारी काम में बाधा डालने, मोबाइल छीनने और पुलिसकर्मियों से गाली गलौज की।

पुलिस पर भी नशे में होने का आरोप

वीडियो में डॉ. साहिल कहते नजर आ रहे हैं कि मैं यहां 10 साल से पी रहा हूं, यह मेरा कॉलेज है। इतना ही नहीं, उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर यह आरोप भी लगाया कि वे खुद नशे में हैं। वह बार-बार पूछते रहे कि आपके पास क्या सबूत है हमें रोकने का? कोई कागज दिखाइए।

डॉक्टर बोले- तुम भी सरकारी कर्मचारी

इसी बीच एक अन्य डॉक्टर, डॉ. प्रकल्प गुप्ता ने पुलिसकर्मियों से कहा तुमको सर क्यों बोलें?, जो तुम्हारा नाम होगा, उसी से बुलाएंगे। तुम भी सरकारी कर्मचारी हो, हम भी सरकारी कर्मचारी हैं। आगे उन्होंने कहा कि एक घंटे में फोन आएगा तो समझ आ जाएगा। तुम्हारे सर को बोलो, हमारे हॉस्टल से उठवा लो।

पुलिस ने दर्ज की डॉक्टरों पर FIR

एसीपी रजनीश कश्यप ने बताया कि एम्स के सामने सफेद रंग की गाड़ी में मौजूद लोग शराब पी रहे थे। जब उन्हें रोका गया, तो उन्होंने बदतमीजी की और पुलिसकर्मियों को धमकाया। बागसेवनिया पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने एम्स प्रशासन को भी पत्र भेजा है।

आधी रात को एम्स के डॉक्टरों का नशे में हंगामा

बता दें कि AIIMS भोपाल के इमरजेंसी गेट के सामने 4 डॉक्टरों ने नशे में उत्पात मचाया था। यहां कार खड़ी कर डॉक्टर शराब पार्टी कर रहे थे। पुलिस पहुंची और पूछताछ की तो एक डॉक्टर ने गाली-गलौज शरू कर दी थी। डॉक्टर बोला- मैं 2016 से यहां हूं, 10 थानों के अफसरों को जानता हूं, तुम कौन हो? घटना मंगलवार देर रात करीब 2 बजे की है। पुलिस से बदसलूकी करते हुए डॉक्टर के दो वीडियो भी सामने आए थे। वीडियो में दिख रहा है कि कार की छत पर बीयर की बोतल रखी है। दो डॉक्टर कार में नशे में धुत पड़े हैं, साथ ही बीयर और स्नैक्स भी बिखरे हुए हैं। एक डॉक्टर पुलिसकर्मी से बहस करता नजर आ रहा है।

इंदौर में हेड कांस्टेबल के बेटे ने की आत्महत्या

न्यूज क्राइम फाइल

जूनी इंदौर पुलिस लाइन में रहने वाले एक हेड कांस्टेबल के बेटे ने बुधवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शाम को जब माता-पिता घर लौटे तो बेटे को देखने के लिए क्वार्टर के सामने वाले कमरे में पहुंचे, जहां वह फंदे पर लटका हुआ मिला। कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें युवक ने माता-पिता से माफी मांगते हुए लिखा कि वह उनके भरोसे पर खरा नहीं उतर सका, इसलिए यह कदम उठा रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। जूनी इंदौर पुलिस के अनुसार, मृतक का नाम हर्ष गौड़ (24) निवासी पुलिस लाइन है। हर्ष के पिता सतीश गौड़ और मां भागवत कथा में गए हुए थे। जब वे घर लौटे और क्वार्टर के सामने बने कमरे में पहुंचे, तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। झांककर देखा तो हर्ष फंदे पर लटका हुआ था। बताया जा रहा है कि शव कई घंटों से लटका हुआ था। पुलिस को कमरे से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें हर्ष ने अपनी मर्जी से जान देने की बात कही है और माता-पिता से माफी मांगी है।

सिविल सेवा की कर रहा था तैयारी

परिवार के मुताबिक, हर्ष सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहा था। संभवत: पढ़ाई के दबाव या अवसाद के कारण उसने यह कदम उठाया। हर्ष के पिता एमजी रोड थाने में हेड कांस्टेबल के पद पर पदस्थ हैं। परिवार में बड़ा भाई रमाकांत भी है। परिवार मूल रूप से मुरैना जिले का रहने वाला है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
website: www.newscrimefile.com
email: newscrimefile@yahoo.com

आज बिहार की कटोरिया, नाथनगर और आलमनगर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि बिहार में भारी बहुमत के साथ NDA सरकार बनाने के लिए जनता-जनार्दन में उत्साह है और आशीर्वाद व समर्थन दे रही है।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

रीवा में गर्लफ्रेंड को 20 हजार की सुपारी दी थी

हनी ट्रैप-ब्लैकमेलिंग- भाजपा नेता को पिस्टल दिखाई...आपत्तिजनक सीन रिकॉर्ड किए

न्यूज़ क्राइम फाइल

रीवा जिले के सेमरिया क्षेत्र में भाजपा नेता दिवाकर द्विवेदी से जुड़े हनी ट्रैप मामले में नया एंगल सामने आया है। एक वीडियो भास्कर के हाथ लगा है, जिसमें युवती आशी गौतम और प्रतीक सिंह एक साथ दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि कैमरा सामने आते ही युवती प्रतीक सिंह पर जबरदस्ती करने का आरोप लगाने लगती है। यह वीडियो भी उसी दिन का बताया जा रहा है, जिस दिन भाजपा नेता दिवाकर द्विवेदी के वीडियो सामने आए थे। इसके अलावा, युवती की एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें वह कथित तौर पर घटना के बाद हाथ में पिस्टल लेकर फोटोशूट करवा रही है। जांच में सामने आया है कि युवती ने भाजपा नेता और प्रतीक सिंह के बीच करीबी संबंधों का फायदा उठाया था। बताया जा रहा है कि भाजपा नेता, जमीन से जुड़े लेन-देन के कारण प्रतीक सिंह के संपर्क में आए थे।

युवती समेत चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले में 23 वर्षीय युवती आशी गौतम समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया है कि युवती करीब 20 हजार रुपए में वीडियो और फोटोशूट के लिए तैयार हुई थी। उसका कहना है कि भाजपा नेता खुद उससे मिलने के इच्छुक थे। प्रतीक के माध्यम से संपर्क हुआ था, जिसके बाद उसने फायदा उठाया। सूत्रों के अनुसार, जांच में ये भी सामने आया है कि युवती, मुख्य आरोपी प्रतीक सिंह की प्रेमिका है। प्रतीक सिंह, भाजपा नेता से आर्थिक लाभ लेने के लिए युवती का परिचय उनसे करवाना चाहता था। बताया जा रहा है कि प्रतीक और उसका परिवार भाजपा नेता दिवाकर से पुराने विवाद में भी शामिल थे। चार साल पहले दिवाकर ने प्रतीक से नौ एकड़ जमीन खरीदी थी, जिसके बाद भुगतान और अतिरिक्त जमीन को लेकर दोनों पक्षों में तनाव शुरू हो गया था। यही विवाद आगे चलकर मनमुटाव में बदल गया।

दिवाकर का पुराना करीबी है प्रतीक

थाना प्रभारी सेमरिया विकास कपीस के अनुसार, हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रतीक सिंह निवासी ग्राम मऊ, थाना सेमरिया, संदीप मिश्रा ग्राम गनिगवां, टोला बीड़ा, सेमरिया और आशी गौतम पिता सत्यप्रकाश गौतम निवासी बदरांव, थाना सिरमौर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक अब भी अन्य आरोपी मालिक उर्फ विकास सिंह निवासी बीड़ा सेमरिया, पीयूष सिंह निवासी दादर थाना गढ़, रामकृपाल पांडेय, निवासी क्योंटी और शिखर सिंह निवासी ग्राम चौरा थाना गढ़ की तलाश जारी है। जांच में सामने आया है कि इस पूरी साजिश का मास्टर माइंड प्रतीक सिंह है, जो फरियादी दिवाकर प्रसाद द्विवेदी का पुराना परिचित था। दोनों के बीच कई सालों से दोस्ती थी, लेकिन इसी विश्वास का प्रतीक सिंह ने दुरुपयोग किया।

सभी वीडियो-फोटो पुलिस के पास नहीं

पुलिस का कहना है कि जिन मोबाइल फोन में आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें रिकॉर्ड की गई थीं, वे अभी पुलिस के कब्जे में नहीं आए हैं और संबंधित आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। इस केस में पुलिस जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी प्रतीक सिंह ने कुछ वर्ष पहले अपनी जमीन दिवाकर प्रसाद द्विवेदी को लगभग 80 लाख रुपए में बेची थी। इसी लेन-देन के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। जांच में पता चला है कि प्रतीक सिंह पर पहले से गांजा तस्करी, बलात्कार और मारपीट जैसे गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं। दिवाकर प्रसाद द्विवेदी पेशे से व्यापारी होने के साथ-साथ राजनीतिक गतिविधियों से भी जुड़े हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, प्रतीक सिंह ने इसी कारण उन्हें ब्लैकमेल करने की योजना बनाई। दिवाकर का प्रतीक से लगातार संपर्क बना रहना उनके लिए भारी पड़ गया।

15 दिन से रची जा रही थी साजिश

पुलिस का कहना है कि प्रतीक सिंह पिछले 15 दिनों से दिवाकर प्रसाद द्विवेदी को ब्लैकमेल करने की योजना बना रहा था। इस काम में उसने अपने साथियों मालिक उर्फ विकास सिंह, पियूष सिंह, रामकृपाल पांडेय, संदीप सिंह और अपनी प्रेमिका आशी गौतम को शामिल किया। जांच में सामने आया कि आरोपी समूह ने युवती को भाजपा नेता से घनिष्ठता बढ़ाने और उन्हें फंसाने की जिम्मेदारी दी थी।

कार्यक्रम

मध्यप्रदेश के माननीय विधायकों व पूर्व विधायकों के वेतन, भत्ते, पेंशन आदि के संबंध में विचार करने हेतु गठित समिति की प्रथम बैठक आज मंत्रालय स्थित कक्ष में आयोजित की गई।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 03 नवम्बर से 09 नवम्बर 2025

हम देशभर के अपने किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 2025-26 के रबी सीजन के लिए फॉस्फोरस और पोटाश उर्वरकों पर सब्सिडी को मंजूरी दी है।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

टर्मिनेशन लेटर में लिखा- सभी एक्सेस बंद, अगर आप ऑफिस में हैं तो सिक्योरिटी आपको बाहर कर देगी

अमेजन ने 14,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

न्यूज क्राइम फाइल

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने अपने 14,000 कॉर्पोरेट कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज बेथ गैलेटी ने मंगलवार, 28 अक्टूबर को इन कर्मचारियों को ईमेल के जरिए टर्मिनेशन लेटर भेजा। गैलेटी ने ईमेल में लिखा कि कर्मचारियों के सभी एक्सेस तुरंत बंद कर दिए गए हैं। जो लोग अभी अमेजन ऑफिस में हैं, जरूरत पड़ने पर सिक्योरिटी उन्हें बिल्डिंग से बाहर निकालने में मदद करेगी। प्रभावित कर्मचारियों को 90 दिनों की पूरी सैलरी और बेनिफिट्स, सेवरेंस पैकेज और जॉब प्लेसमेंट में मदद मिलेगी।

2023 के बाद सबसे बड़ा लेऑफ

अमेजन में कोरोना महामारी के बाद 2022-2023 में हुई 27,000 कर्मचारियों की छंटनी के बाद यह सबसे बड़ी कटौती है। ये छंटनी कंपनी के 3.5 लाख व्हाइट-कॉलर (कॉर्पोरेट) कर्मचारियों का लगभग 4% है। भले ही कंपनी ने तिमाही में 18 बिलियन डॉलर (करीब 1.6 लाख करोड़) का मुनाफा कमाया हो।

सीईओ ने गुमनाम कंप्लेंट लाइन बनाई थी

सीईओ एंडी जासी ने कहा था कि एआई टूल्स के बढ़ते इस्तेमाल से नौकरियां और कम होने की संभावना है। खासकर उन कामों में जहां रेपिटिशन और रूटीन वर्क शामिल है। साल की शुरुआत में उन्होंने एक एनोनिमस यानी गुमनाम कंप्लेंट लाइन बनाई थी ताकि जो लोग काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें नोटिस किया जा सके, इसमें लगभग 1,500 रिएक्शंस मिले।

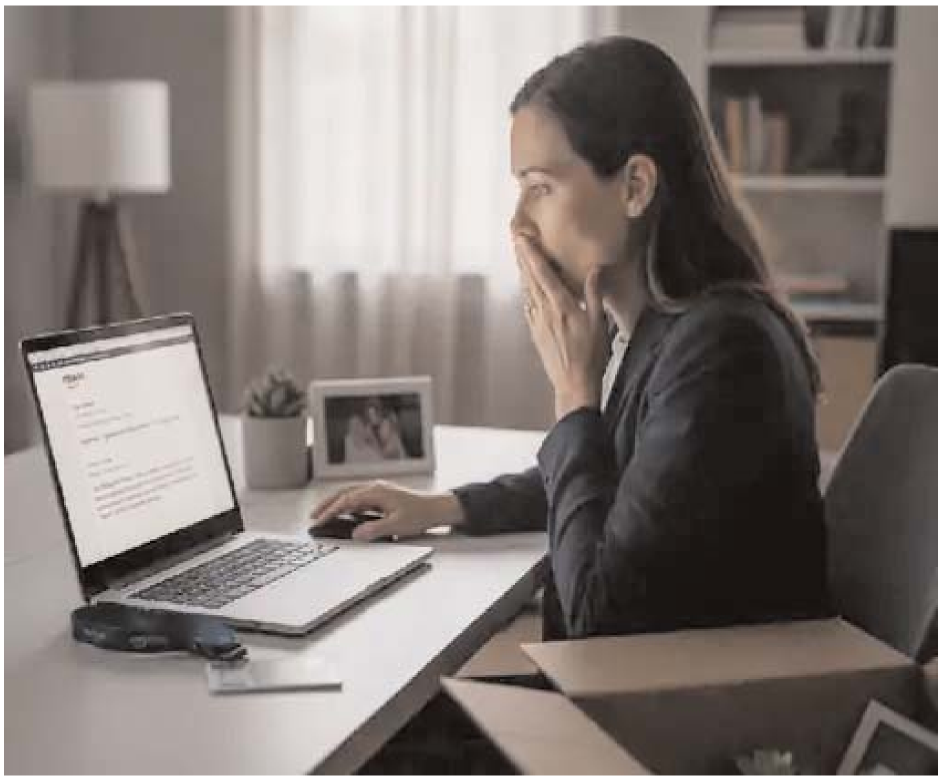

2027 तक 1 लाख करोड़ रुपए की बचत का अनुमान

आंतरिक दस्तावेजों से पता चला है कि ये रोबोट्स हर आइटम को चुनने, पैक करने और डिलीवर करने में 30 सेंट (लगभग 2.5 रुपए) तक की बचत करेंगे। 2025 से 2027 के बीच कुल 12.6 अरब डॉलर (लगभग 1 लाख करोड़ रुपए) की बचत हो सकती है।

का 75% हिस्सा ऑटोमेट करने का प्लान

अमेजन का प्लान ऐसे वेयरहाउस बनाना है जहां कम इंसान काम करें। ये वेयरहाउस सुपरफास्ट डिलीवरी के लिए डिजाइन होंगे। कंपनी की रोबोटिक्स टीम का फाइनल प्लान ऑपरेशंस का 75% हिस्सा ऑटोमेट करने का है। अमेजन ने पिछले साल श्रेवपोर्ट में अपना सबसे एडवांस्ड वेयरहाउस लॉन्च किया था। इसमें इंसानों का दखल बहुत कम हो गया है। 1,000 रोबोट्स के चलने से इस फैसिलिटी ने पिछले साल नॉन-ऑटोमेटेड सेटअप की तुलना में अपनी वर्कफोर्स को 25% कम कर दिया। अमेजन का प्लान है कि श्रेवपोर्ट वाला डिजाइन 2027 के अंत तक करीब 40 फैसिलिटीज में कॉपी किया जाए। इसकी शुरुआत वर्जीनिया में हाल ही में खोले गए बड़े वेयरहाउस से हो रही है। अमेजन ने पुरानी फैसिलिटीज को रेनोवेट करना भी शुरू कर दिया है।

अमेजन लेऑफ को लोग सर्च कर रहे

अमेजन ऑपरेशन्स को बेहतर करने और महामारी के पीक डिमांड के दौरान हुई ओवर हायरिंग को बैलेंस करने के लिए अपने करीब 30,000 कॉर्पोरेट कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही है। इसके बाद लोग लगातार कंपनी के बारे में सर्च कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों का ग्राफ देखा जाए तो साफ समझ आता है कि अचानक अमेजन लेऑफ एम्प्लॉइज का ग्राफ तेजी से बढ़ा है।

टीम को निडर और आक्रामक बनाया

राहुल द्रविड़ बोले- रोहित ने भारत की टी-20 सोच बदली

न्यूज क्राइम फाइल

भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा- रोहित ने टीम की टी-20 क्रिकेट खेलने की सोच पूरी तरह बदल दी। द्रविड़ ने बताया कि जब रोहित कप्तान बने और उन्होंने कोच का काम संभाला, तब दोनों ने मिलकर टीम की बल्लेबाजी को ज्यादा तेज, निडर और बड़े स्कोर वाली शैली में बदलने का फैसला किया। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 9 महीने के भीतर 2 ढ्ढष्ट्ट ट्रॉफी अपने नाम की थी। टीम ने जून 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप और मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीता था। रोहित ने शुरुआत से अटैकिंग क्रिकेट पर बात की- द्रविड़ राहुल द्रविड़ ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं अपने आने से पहले क्या हुआ उस पर बात नहीं कर सकता। लेकिन जब से मैं आया, रोहित के साथ हमारी बातचीत हमेशा इस बात पर रही कि हमें ज्यादा आक्रामक क्रिकेट खेलनी है। हमने ये शुरुआत से ही लागू किया, क्योंकि हमें दिख रहा था कि खेल उसी दिशा में जा रहा है।

रोहित को इसका बड़ा श्रेय जाता है। भारत की बल्लेबाजी अब दुनिया के लिए नया पैमाना बन गई है द्रविड़ ने आगे कहा कि भारत की टी-20 बल्लेबाजी अब दुनिया के लिए नया पैमाना बन गई है। मुझे खुशी है कि हमने इसी रवैये को जारी रखा। आज भारतीय टी-20 बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर है। टीम लगभग 300 के करीब रन बनाती है और बाकी दुनिया अब भारत की बराबरी करने की कोशिश कर रही है। पिछले 3-4 साल में बाकी टीमें भी अब कह रही हैं कि हमें भारत जैसे खेलना होगा।

कोच सिर्फ माहौल बनाते हैं% राहुल द्रविड़ ने कहा कि कोच सिर्फ माहौल बनाते हैं, लेकिन मैदान पर जोखिम खिलाड़ी ही लेते हैं। क्रेडिट खिलाड़ियों और कप्तान को जाता है। हम उन्हें भरोसा दे सकते हैं, लेकिन खेलना और बड़े शॉट मारना उन्हें ही होता है। भारत को टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनाया कोच राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा की जोड़ी ने भारत को 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जिताया था। टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराया था।

बिहार को लूट, भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी का गढ़ बनाने वाले लालू-राबड़ी के जंगलराज की काली यादें बिहारवासी कभी नहीं भुला सकते।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

विधायकों के वेतन भत्ते बढ़ाने पर फैसला एक माह में

विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले सरकार को प्रस्ताव देगी कमेटी

न्यूज क्राइम फाइल

विधायकों और पूर्व विधायकों के वेतन, भत्ते और सुविधाएं दिए जाने का फैसला एक माह में हो जाएगा। इसके लिए राज्य शासन द्वारा बनाई गई कमेटी एक माह में अपना निर्णय राज्य सरकार को दे देगी, जिस पर सरकार विधानसभा के शीतकालीन सत्र में विधेयक लाकर उसे मंजूरी दिला सकती है। इसको लेकर पहले दौर की बैठक भी मंत्री, विधायकों की कमेटी ने कर ली है। सामान्य प्रशासन विभाग ने 27 अक्टूबर को आदेश जारी कर विधायकों, पूर्व विधायकों के वेतन, भत्ते, पेंशन आदि के संबंध में विचार करने के लिए समिति का गठन किया है। इस समिति में डिप्टी सीएम और वित्त व वाणिज्यिक कर व योजना और आर्थिक सांख्यिकी विभाग के मंत्री जगदीश देवड़ा, जबलपुर के पाटन से विधायक अजय विश्नोई और खरगोन जिले के कसरावद से विधायक सचिन यादव सदस्य बनाए गए हैं। समिति के सदस्य सचिव अपर मुख्य सचिव संसदीय कार्य विभाग अनुपम राजन बनाए गए हैं। समिति के गठन के बाद 28 अक्टूबर को डिप्टी सीएम देवड़ा और विधायक अजय विश्नोई की मौजूदगी में पहली बैठक हो गई है। बताया जाता है कि इस बैठक में संसदीय कार्य

विभाग के एसीएस से देश के सभी राज्यों के विधायकों और पूर्व विधायकों को मिलने वाले वेतन, भत्ते, पेंशन आदि सुविधाओं की जानकारी चाही गई। यह जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं होने के चलते समिति ने तय किया है कि अगली बैठक 11 नवम्बर को होगी तब संसदीय कार्य विभाग के द्वारा सभी राज्यों से संबंधित जानकारी जुटाई जाकर समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

समिति ने मांगी है तुलनात्मक रिपोर्ट

विधायकों, पूर्व विधायकों के वेतन, भत्तों, पेंशन और अन्य सुविधाओं को बढ़ाए जाने के मामले में समिति ने संसदीय कार्य विभाग से तुलनात्मक रिपोर्ट स्टेटवाइज मांगी है। इसमें एमपी में विधायकों और पूर्व विधायकों को मिलने वाले वेतन, भत्ते, पेंशन, सुविधाओं और अन्य राज्यों में मिलने वाले भत्ते और सुविधाओं की रिपोर्ट मिलने के बाद उसका परीक्षण किया जाएगा और इसके बाद एक और बैठक बुलाकर इस मामले में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बताया जाता है कि समिति 30 नवम्बर के पहले इसे सरकार को सौंपने की तैयारी में है ताकि एक दिसम्बर से शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सरकार इस पर अंतिम निर्णय लिया जा सके।

पावस सत्र में उठी थी वेतन, भत्ते बढ़ाने की मांग

विधानसभा के पावस सत्र के दौरान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत विपक्ष के विधायकों ने वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाओं को बढ़ाने की मांग सदन में रखी थी, जिसका समर्थन सत्ता पक्ष के विधायकों ने किया था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सदन में वक्तव्य के दौरान भी इसका जिक्र आया था, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने इसमें वृद्धि के लिए आश्वस्त किया था। इसी के चलते विधानसभा सत्र के पहले आनन-फानन कमेटी का गठन कर रिपोर्ट सरकार को सौंपने की तैयारी की गई है।

सर्दी-खांसी के इलाज में गई जान, मेडिकल स्टोर सील

परिजन बोले- कफ सिरप से बिगड़ी तबीयत; बिना पर्चे के दवा देने वाले स्टोर पर कार्रवाई

न्यूज क्राइम फाइल

छिंदवाड़ा के बिछुआ क्षेत्र में गुरुवार सुबह 5 महीने की एक मासूम की मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि उन्होंने एक मेडिकल स्टोर से दवा ली थी। जिसके सेवन के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ी और उसकी जान चली गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने मेडिकल स्टोर को सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि बिछुआ गांव के रहने वाले संदीप मिनोटे की 5 महीने की बेटी रूही मिनोटे की तबीयत गुरुवार तड़के अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे सुबह करीब 4:30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछुआ लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टर को नहीं दिखाया, सीधे मेडिकल से दवाई ली

बच्ची की तबीयत खराब होने पर परिजन उसे अस्पताल ले जाने के बजाया सीधे मेडिकल स्टोर पहुंचे और वहां से दवाई ली थी। परिजन का कहना है कि बच्ची को सर्दी

रूही मिनोटे

और खांसी थी, जिसके इलाज के लिए उन्होंने 27 अक्टूबर को कुरेठे मेडिकल स्टोर बिछुआ से दवाई ली थी। स्टोर संचालक ने एक 'कासामृत कफ सिरप' सहित 16 पुड़िया दी थीं। यह दवा देने के बाद ही बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी और उसकी मौत हो गई।

प्रशासन ने मेडिकल स्टोर को किया सील

घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। संदिग्ध दवाइयों को जब्त कर पंचनामा तैयार किया गया। इसके बाद प्रशासन ने इस पूरे प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए कुरेठे मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। हाल ही में प्रशासन ने निर्देश जारी किए गए थे कि छोटे बच्चों को कफ सिरप न दिया जाए, बावजूद इसके मेडिकल स्टोर संचालक ने कफ सिरप दे दिया। परिजन ने इस मामले में बिछुआ थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है। फिलहाल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच में जुटी है। इधर, बच्ची की मौत के बाद परिजन में गुस्सा है।

दस वर्षों के अन्दर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है और आज तक दुनिया के किसी भी देश में यह करिश्माई काम नहीं हुआ है।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

केंद्रीय कृषि मंत्री बोले- आंखों में शिवराज सिंह चौहान खटकता

जनजातीय पंचायत में कहा- मानसिक विकृत लोगों को जनता नहीं दिखती, सरकार हमने बनाई

न्यूज क्राइम फाइल

देवास-सीहोर के खिवनी अभयारण्य क्षेत्र में बारिश के दौरान आदिवासियों के घर तोड़े जाने के बाद से राजनीति गर्म है। अब दिवाली से ठीक पहले, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुधनी के भैरूंदा में आदिवासियों को नोटिस दिए जाने पर पूर्व सीएम शिवराज ने प्रशासन पर नाराजगी जताई है। 29 अक्टूबर को भैरूंदा में जनजातीय पंचायत के दौरान दिए गए उनके भाषण के वीडियो भी सामने आए हैं।

आंखों में शिवराज खटकता है

शिवराज वीडियो में कह रहे हैं...ऐसे लोग जो मानसिक रूप से विकृत हैं इतनी जनता उनको दिखाई नहीं देती। उनकी आंखों में तो शिवराज सिंह चौहान खटकता है। जिनका राज यहां पर है उनको कह रहे हैं कि यह कहां से आ गए और उनको नोटिस दिए जा रहे हैं। यह जो कर रहे हैं वो विकृत मानसिकता के लोग हैं, यह पागलपन की बात है और इसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगी।

दिवाली के पहले आदिवासियों को नोटिस दिए

शिवराज ने कहा- तैयारी दिवाली के पर्व को मनाने की थी, लेकिन ठीक दिवाली के दिन गरीब भाइयों और बहनों को नोटिस हाथ में थमा दिए गए। ज़मीन उनकी जिंदगी है। ज़मीन जिस पर वर्षों से कब्ज़ा है, वो उनकी रोज़ी-रोटी का साधन है। ज़मीन जो उनके बुढ़ापे का सहारा है, ज़मीन जो उनके बच्चों का आसरा है।

सालों से जहां खेती कर रहे, उस पर नोटिस

शिवराज ने कहा- एक छोटी ज़मीन का टुकड़ा, जिसमें वर्षों से खेती कर रहे हैं। दिन-रात मेहनत करते हैं, पत्थर खोदकर जैसे-तैसे एक खेत बनाया, और वो खेत पर बोवनी नहीं करने के नोटिस दे दिए। बोवनी नहीं करेंगे तो जिएंगे कैसे? खाएंगे क्या? ये तो बताए कोई? एक सनक सवार हुई, नोटिस दे दिया। मैं मंत्री, नेता के रूप में नहीं, आपके साथी के रूप में आया हूं।

नोटिस देने वाले अफसरों पर बरसे

शिवराज ने अफसरों को चेतावनी देते हुए कहा- जिन्होंने यह नोटिस दिया उनको मैं कुछ कहना चाहता हूं भारतीय जनता पार्टी की सरकार दिल्ली में है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार भोपाल में है। मोदी जी भारत के लिए भगवान का वरदान हैं, हमारे प्रधानमंत्री और डॉक्टर मोहन यादव हमारे मुख्यमंत्री हैं।

ये सरकार हम लेकर आए, अन्याय नहीं होगा

शिवराज ने कहा- भारतीय जनता पार्टी की सरकार है इसलिए क्योंकि वो जनता की सेवा कर सके, गरीब कल्याण हमारा संकल्प है और ऐसी हालत में जब हमारी सरकारें हैं यह अन्याय नहीं हो सकता ना हम यह अन्याय सहन कर सकते, सरकार तो हमारी है हमने बनाई है, सबने बनाई है। एक तरफ से एक साथ मिलके हम सब यह सरकार लेकर आए हैं भारतीय जनता पार्टी की, हमारी सरकार, हमारे मुख्यमंत्री, हमारे नेता, अन्याय कैसे हो जाएगा और इसलिए मैं आपके बीच आया हूं, मुख्यमंत्री जी से मैंने चर्चा की है और मुख्यमंत्री जी ने आश्वस्त किया है कि अन्याय नहीं होगा।

शिवराज ने पंचायत में किसानों से की बात

शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय पंचायत में पहुंचे किसान बंशीलाल से बातचीत करते हुए कहा- ये बंशीलाल पिछले 60 साल से इस ज़मीन पर खेती कर रहे हैं, ऐसे लोगों को हटाया जाना क्या उचित है? जिन पुरानी जमीनों पर लोगों की पूरी जिंदगी बीत गई, उन पर अब नोटिस दिए जा रहे हैं- वो भी दिवाली के दिन! कम से कम लोगों को दिवाली के दिए तो जलाने देते। धनतेरस के दिन ज़मीन छीनने के नोटिस जारी किए गए। जिन्होंने ये नोटिस दिए, अगर उनके साथ ऐसा हो कि उनकी रोज़ी-रोटी छिन जाए, तो उन्हें कैसा लगेगा? उनके बच्चों और परिवार को कैसी पीड़ा होगी? उन्होंने आगे कहा- उस दिन माताएं-बहनें रो रही थीं। ये ज़मीन उनके बाप-दादाओं के समय से चली आ रही है। अब इस ज़मीन को छीनने की बात करना घोर अन्याय है, और ये अन्याय कभी नहीं होने दिया जाएगा।

शिवराज बोले- पुराना कब्जा नहीं छोड़ेंगे

हम यहां अपने हक और अधिकार के लिए इकट्ठा हुए हैं। यह हमारा अधिकार है, और हम मुख्यमंत्री जी से मिलकर अपनी बात साफ-साफ बताएंगे। एक बात पक्की है - नया कब्जा नहीं होने देंगे, लेकिन पुराने कब्जे को कोई नहीं छीन सकता। हम ईमानदार लोग हैं, मेहनत से पेट पालते हैं, और पुराने कब्जों पर ही खेती करते हैं। हमारा स्पष्ट संकल्प है- जो जमीन सालों से हमारे पास है, वही हमारी रोज़ी-रोटी का साधन है। नए कब्जों को रोको, लेकिन पुराने किसानों को परेशान मत करो इस पंचायत का यही फैसला है- हम अपना पुराना कब्जा नहीं छोड़ेंगे, वहीं बोनी करेंगे।

शिवराज की नाराजगी की एक वजह ये भी

दरअसल, सिस्टम परिवर्तन अभियान के अध्यक्ष और पूर्व आईएफएस अधिकारी आज़ाद सिंह डबास ने 4 जुलाई 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एक शिकायत भेजी थी। इसकी प्रतिलिपि मुख्य सचिव अनुराग जैन, एसीएस अशोक वर्णवाल और उस समय के पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव को भी भेजी गई थी। शिकायत में कहा गया था कि 23 जून को खिवनी अभयारण्य में अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद शिवराज सिंह चौहान आदिवासियों को साथ लेकर मुख्यमंत्री निवास पहुंचे थे। इसके बाद सीएम ने सीहोर के डीएफओ मगन सिंह डाबर का तबादला कर दिया, जिसके बाद से खिवनी अभयारण्य से जुड़ा पूरा काम ठप पड़ा है।

पीसीसीएफ ने 15 दिन में मांगी जांच रिपोर्ट

पीसीसीएफ कार्यालय ने 18 जुलाई 2025 को सीसीएफ कार्यालय को पत्र भेजकर मामले की जांच कर 15 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। इसके बाद सीसीएफ कार्यालय ने 24 जुलाई को सीहोर डीएफओ को पत्र भेजकर जांच रिपोर्ट मांगी। डीएफओ ने जांच की जिम्मेदारी उप वन मंडल अधिकारी (एसडीएफओ) बुधनी सुकृति ओसवाल को सौंपी। एसडीएफओ ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि यह मामला केंद्रीय मंत्री से जुड़ा है, इसलिए इसकी जांच वरिष्ठ अधिकारी स्तर पर ही की जानी चाहिए। यह रिपोर्ट उन्होंने डीएफओ कार्यालय को भेज दी। डीएफओ ने भी माना कि जांच उच्च अधिकारियों के स्तर पर ही संभव है, इसलिए रिपोर्ट आगे नहीं बढ़ाई गई। सूत्रों के अनुसार, इसी कारण शिवराज सिंह चौहान इस पूरे मामले को लेकर अफसरों से नाराज हैं।

कुछ दिनों पहले बिहार के युवाओं से बहुत दिलचस्प बातचीत हुई - शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार हर मुद्दे पर। और, इन सबकी दुर्दशा के लिए सिर्फ एक गुनहगार है, BJP-JD सरकार।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

ग्वालियर में रेप के बाद भागने वाला था कंडक्टर; शिवपुरी में ही कर ली थी प्लानिंग

महिला बोली- डर गई थी, निर्भया जैसा हाल न कर दे

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर में बस स्टैंड पर खाली बस में 27 वर्षीय महिला से दुष्कर्म करने वाले कंडक्टर विष्णु ओझा को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने कबूल किया है कि जिस तरह से बस में महिला मुस्कुराकर देख रही थी और एक दूसरे से बातचीत के बाद मोबाइल नंबर लिए तो मन बना लिया था कि ग्वालियर पहुंचकर कुछ ऐसा करूंगा। पीड़िता का इलाज चल रहा है। उसके पेट में इन्फेक्शन हो गया था। महिला से जब पूछा गया कि उसने शोर क्यों नहीं मचाया तो उसने कहा कि वह डर गई थी। उसे दिल्ली का निर्भया कांड याद आ गया था। लगा ऐसा न हो कि आरोपी उसका निर्भया जैसा हाल कर दे।

पति से अलग रह रही है पीड़िता

भिंड के फूफ इलाके की रहने वाली 27 वर्षीय पीड़िता की छह साल पहले शादी शिवपुरी निवासी एक युवक से हुई थी। दो साल का एक बेटा है। कुछ समय से पति उसे परेशान कर रहा था, जिस पर उसने शिवपुरी देहात थाना में शिकायत की थी। फिलहाल भिंड कोर्ट में पति से भरण पोषण का केस चल रहा है। पति कोर्ट में पेश नहीं हो रहा है। उसका पता लगाने के लिए वह 27 अक्टूबर को भिंड से शिवपुरी देहात के लिए निकली थी।

ग्वालियर से शिवपुरी के बीच हुई थी पहचान

पीड़ित महिला ने पड़ाव पुलिस को बताया- जब मैं ग्वालियर से शिवपुरी के लिए बस में सवार हुई थी तो आगे की सीट पर बैठी थी। तब से ही बस कंडक्टर विष्णु लगातार मुझे देखकर मुस्कुरा रहा था। जिस पर मैंने भी स्माइल दे दी। यहीं मुझसे गलती हो गई। उसने बातचीत करते हुए जान पहचान निकाल ली। इसके बाद उसने मुझे विश्वास दिलाया कि वह शाम को इसी बस से शिवपुरी होते हुए लौटेगा तो मुझे ले लेगा। मैंने सोचा कि अनजान शहर में कोई पहचान वाला मिल जाएगा तो हिम्मत बनी रहेगी। लेकिन यह नहीं सोचा था कि बस कंडक्टर के मन में क्या चल रहा है।

धमकाया- हमेशा के लिए खामोश कर दूंगा

महिला ने पुलिस को बताया कि जब बस ग्वालियर पहुंची तो कंडक्टर कुछ देर में आने का कहकर चला गया। उसे बस में बैठे रहने के लिए कहा। बस स्टैंड सुनसान था। कुछ देर बाद वह आया तो उसकी आंखों में अलग ही नशा दिख रहा था। उसने बस का गेट लगाया तो महिला ने पूछा- भिंड कब चलेंगे। इस पर बस कंडक्टर ने कहा- पांच मिनट में चलते हैं। इसके बाद उसने महिला से गंदी हरकत शुरू कर दी। महिला ने शोर मचाने का प्रयास किया तो आरोपी ने धमकाया कि हमेशा के लिए इसी बस में खामोश कर दूंगा। ग्वालियर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। ग्वालियर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

भागने की तैयारी में था आरोपी कंडक्टर

ग्वालियर पुलिस ने कोर्ट में आरोपी विष्णु ओझा को पेश करने से पहले पूछताछ की। उसने बताया कि महिला बस में बार-बार उसे देखकर मुस्कुरा रही थी। जिस पर उसे लगा कि वह उसे लाइक कर रही है। जब उसने महिला से मोबाइल नंबर मांगा तो उसने दे दिया। इस पर लगा कि महिला उसकी हरकत का विरोध नहीं करेगी। रेप करने के बाद वह महिला को खाली बस में छोड़ आया था। फिर उसे लगा कि महिला अब पुलिस के पास जा सकती है। इसलिए वह भागने की तैयारी कर रहा था। ट्रेवल्स के मालिक को हिसाब देने के बाद वह निकलने ही वाला था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

बस का पीयूसीसी सर्टिफिकेट निकला एक्सपायर

जिस बस में महिला से रेप हुआ, यह बस जागेंद्र भदौरिया की है। जागेंद्र ने 2013 में बस खरीदी थी। 3 जनवरी 2013 को इसका रजिस्ट्रेशन कराया था। 12 साल 9 महीने पुरानी बस का प्रदूषण सर्टिफिकेट एक्सपायर हो चुका है। 27 अगस्त 2025 तक पीयूसी वैलिड था।

पीड़िता बीमार, अस्पताल में चल रहा इलाज

पड़ाव थाना प्रभारी आलोक भदौरिया ने बताया- घटना के बाद से महिला बीमार है। उसके पेट में दर्द के साथ ही अन्य परेशानी हो रही हैं। जया आरोग्य अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। वह काफी डरी हुई है।

पूर्व मंत्री पारस जैन बोले- अब कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन के उत्तर विधानसभा से 6 बार के विधायक और पूर्व मंत्री रहे पारस जैन ने अब कोई चुनाव नहीं लड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा- अब न चुनाव लड़ने लायक समय बचा है, न वैसे लोग। साथ ही पार्टी नेतृत्व को नसीहत दी कि वरिष्ठ और जमीनी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना चाहिए।

मैने एक बार भी टिकट नहीं मांगा

पारस जैन ने कहा कि वे आज भी रोजाना दो घंटे व्यायाम करते हैं। स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम जरूरी है। राजनीति को लेकर उन्होंने साफ कहा कि अब मैं कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा। यह पक्का है। हालांकि, पार्टी अगर कोई दायित्व देगी तो उसे निभाऊंगा। उन्होंने कहा कि अब चुनाव लड़ने लायक समय नहीं रहा और न ही वैसे लोग बचे हैं। पहले के और अब के चुनावों में बहुत अंतर आ गया है। मैं छह बार चुनाव लड़ा, लेकिन कभी टिकट की मांग नहीं की। पार्टी ने खुद दिया। अब शायद पार्टी ने सोचा होगा कि 75 वर्ष की उम्र हो गई है, इसलिए टिकट नहीं दिया। इसमें कोई नाराजगी नहीं, मैं पार्टी के प्रति वफादार हूं और उसकी सेवा करता रहूंगा।

नीचे के कार्यकर्ताओं को जोड़ना होगा

जब पारस जैन से पूछा गया कि पार्टी में ऐसा क्या बदल गया है, तो उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि पार्टी को नीचे के कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना चाहिए। उम्मीद है कि प्रदेश के नए अध्यक्ष जमीनी कार्यकर्ताओं को जोड़ेंगे और पुराने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को नहीं भूलेंगे। यही मेरा उनसे निवेदन है।

साल 2023 में पार्टी ने टिकट काटा था

उज्जैन उत्तर विधानसभा सीट से 1990, 1993 और फिर 2003 से लगातार 2013 तक जीत दर्ज कर चुके पारस जैन ने प्रदेश सरकार में वन, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण जैसे विभागों में मंत्री के रूप में कार्य किया। 2013 में वे स्कूल शिक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री बने और 2016 के फेरबदल में उन्हें ऊर्जा मंत्रालय का दायित्व मिला। 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उनका टिकट काटकर अनिल जैन कालूहेड़ा को अपना उम्मीदवार घोषित किया था। जिसके बाद से वे किसी बड़े संगठनात्मक कार्यक्रम में नजर नहीं आए। अब उन्होंने राजनीति से दूरी बनाते हुए साफ कहा है कि वे भविष्य में कभी भी चुनाव नहीं लड़ेंगे।

केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके जी को जन्मदिन के शुभ अवसर पर आत्मीय बधाई और शुभकामनाएं।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

भोपाल में नाबालिग की पोर्न देखने वालों पर एफआईआर

स्टेट साइबर से मिले इंपुट के बाद अलग-अलग थानों में नौ केस दर्ज

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के नौ अलग-अलग थानों में 9 मोबाइल नंबर धारकों के खिलाफ नाबालिग के पोर्न देखने फारवर्ड करने के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई हैं। दिल्ली से स्टेट साइबर पुलिस को इन सभी के खिलाफ इनपुट मिले थे। स्टेट साइबर ने भोपाल जिले में अपने मोबाइल में बच्चों की पोर्न वीडियो देखने और रखने वालों की सूची दी। क्राइम ब्रांच के प्रतिवेदन के आधार पर मोबाइल धारकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। भोपाल में इस तरह की कार्रवाई पहली बार की गई है। अब थाना पुलिस मोबाइल धारकों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब कर रही है। फिलहाल मोबाइल धारकों के खिलाफ आईटी एक्ट और पॉक्सो की गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई हैं। जिसमें आजीवन कारावास तक की सजा है।

क्राइम ब्रांच के प्रतिवेदन के आधार पर कार्रवाई की

बिलखिरिया पुलिस के मुताबिक क्राइम ब्रांच से एक मोबाइल धारक के खिलाफ प्रतिवेदन प्राप्त हुआ था। जिसमें आरोप था कि मोबाइल नंबर धारक ने अपने मोबाइल से नाबालिग की वीडियो देखी, साथ ही वीडियो को अन्य नंबरों पर भी फारवर्ड किया है। जिसके बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट और पॉक्सो की धाराओं में एफआईआर दर्ज की हैं।

पोर्नोग्राफी से मर जाता है विवेक

जेपी अस्पताल के क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. राहुल शर्मा ने बताया कि पोर्नोग्राफी ज्यादा देखने वाले लोगों का विवेक मर जाता है। वे स्त्रियों के प्रति आक्रामक हो जाते हैं। दिमाग में पूरा समय सिर्फ एक ही चीज घूमती रहती है। यही उन्हें इस तरह के घिन होने कृत्य करने के लिए ट्रिगर करती है। व्यक्ति पोर्नोग्राफी में दिखाई जाने वाली घटनाओं से प्रेरित हो कर क्या सही और क्या गलत इसमें भेद नहीं कर पाता है। डॉ. शर्मा ने बताया कि जो लोग अधिक चाइल्ड पॉर्नोग्राफी देखते हैं, उनके मन में बच्चों के प्रति गलत ख्याल आने की संभावना बढ़ जाती है।

पीडो-फाइल एक बड़ी चुनौती

डॉ. राहुल शर्मा ने बताया कि 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के प्रति सेक्सुअल आकर्षण रखने या उनके साथ यौन गतिविधियों में संलिप्त होने वाला व्यक्ति पीडो-फाइल कहलाता है। मेडिकल साइंस में मौजूद परिभाषा के मुताबिक पीडो-फाइल की उम्र 16 साल से ऊपर होनी चाहिए और पीडो-फाइल और बच्चे की उम्र में 5 साल का अंतर होना चाहिए। हर महीने ऐसे 8 से 10 केस देखने में आ रहे हैं। जिनमें काउंसलिंग कर उनकी मनोदशा को समझने की कोशिश करते हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि लंबे समय से ऐसे लोगों की साइकोलॉजी पर काम कर रहा हुं। जिसमें यह देखने को मिला है कि जिन लोगों को बचपन में पिता की ओर से गलत परवरिस मिली या पिता काफी आक्रामक थे। ऐसे लोग में बच्चों के प्रति आक्रामक व्यवहार अधिक डेवलप हो जाता है। दरअसल, बचपन में एक फेज आता है जहां साइको सेक्शुअल डेवलपमेंट होता है। इस स्टेज में यदि उनके मन पर गलत प्रभाव पड़े तो उनकी सोच गलत दिशा में डेवलप हो जाती है। इसके साथ जो लोग अधिक चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखते हैं, उनमें भी बच्चों के प्रति सेक्सुअल आकर्षण बढ़ता है।

वो 50% हुए तो, ब्रज में वही टोपी वाले दिखेंगे: धीरेंद्र शास्त्री

न्यूज क्राइम फाइल

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, आज वो 20 परसेंट हैं, आप 9 राज्यों में अल्पसंख्यक हो गए। जिस दिन वो 50 परसेंट पहुंच जाएंगे, तो आपके ब्रज में भी वही टोपी वाले दिखाई पड़ेंगे। हालांकि, उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि उन्होंने यह नहीं कहा कि कौनसी टोपी वाले, क्योंकि वह खुद भी टोपी लगाते हैं। भारत को बचाना है, अपनी संस्कृति को बचाना है, तो जातिवाद और भेदभाव से ऊपर उठकर हमको सनातनी बनना है। बुधवार को हरियाणा के होडल में थे। यहां उन्होंने गोपाष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी पदयात्रा को रोकने की धमकी देने वालों को चेतावनी दी।

कोसीकलां दंगे की याद दिलाई

धीरेंद्र शास्त्री ने हरियाणा के लोगों को 2012 के कोसीकलां दंगे की याद दिलाते हुए कहा- तुम्हारे ही कोसीकलां में हिंदुओं को निर्वस्त्र कर सड़कों पर दौड़ाया था। हम तो अपनी जान की बाज़ी हथेली पर लेकर निकले हैं, तुम्हारे लिए।

क्या है मामला

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक दामोदर यादव ने मंगलवार को ग्वालियर में धीरेंद्र शास्त्री पर %आडंबर और पाखंड% फैलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि शास्त्री ने जिस यात्रा की घोषणा की है, उसका उद्देश्य %हिंदू राष्ट्र% बनाना है, जो भारत के धर्मनिरपेक्ष संविधान के विरुद्ध है। इसे %राष्ट्रद्रोही% कृत्य की श्रेणी में रखा जा सकता है। यादव ने अपनी बात दोहराते हुए यात्रा को रोकने की मांग की थी और

इस संबंध में राष्ट्रपति को पत्र लिखने तथा भोपाल में एक बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी भी दी थी।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अस्वस्थ: इंदौर के हॉस्पिटल में एडमिट, कई जांचें हुई; डॉक्टर के अनुसार- हालत ठीक

न्यूज क्राइम फाइल

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बुधवार शाम को अस्वस्थ हो गए। इसके बाद वे परिवार और कुछ खास नजदीकी लोगों के साथ इंदौर के बॉम्बे हॉस्पिटल पहुंचे। यहां प्राइमरी ऑब्जर्वेशन के बाद उन्हें एडमिट किया गया। इस दौरान उनकी कुछ जांचें हुई। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत अच्छी है। नजदीकी लोगों के मुताबिक, मंत्री विजयवर्गीय बुधवार को पार्टी से संबंधित कार्यक्रम में थे। वहां से लौटते समय बुधवार शाम को उन्हें पेट की समस्या हुई। इस पर उन्होंने शाम को ही एक निजी अस्पताल में दिखाया। कुछ रिपोर्ट तत्काल मिलने के बाद उन्हें एडमिट किया गया। हालांकि इसकी जानकारी चुनिंदा लोगों को ही है और सभी से इसे सोशल मीडिया पर साझा न करने को कहा गया। हॉस्पिटल के राहुल पाराशर (जीएम) ने बताया कि उन्हें पेट की समस्या के साथ ज्यादा थकान हुई थी, इसलिए एडमिट किया गया। वे वार्ड में ही हैं और जल्द ही ठीक हो जाएंगे। अभी उन्हें आराम की सलाह दी गई है।

महापौर ने कहा-स्वस्थ हैं

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जी के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिहाइड्रेशन के चलते अस्पताल में आए थे लेकिन कैलाश जी अब पूर्णत: स्वस्थ हैं, अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपने निवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

भैरूंदा में आयोजित जनजातीय पंचायत में पधारे भाई बहनों के साथ भोजन किया। बहनों ने बड़े स्नेह और आत्मीयता से भोजन करवायाबहनों का हृदय से आभार मैं हमेशा अपनी बहनों के साथ हूँ उनके हर सुख-दुख में साझेदार।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

केवडिया में पीएम मोदी ने ई-बसों को हरी झंडी दिखाई

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर के 1,220 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास किया

संदीप कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर दो दिन के दौरे पर गुजरात पहुंच गए हैं। वे शाम करीब 5 बजे वडोदरा एयरपोर्ट पहुंचे और यहां से सड़क मार्ग से केवडिया पहुंचें। पीएम ने यहां ई बसों को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद शाम 7:30 बजे एकता नगर में 1,220 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का उद्घाटन-और शिलान्यास किया। पीएम अगले दिन यानी कि 31 अक्टूबर की सुबह 8 बजे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

उसके बाद स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में होने वाली परेड और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इन प्रोजेक्ट्स का करेंगे उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा कर एकता नगर में 16 नए प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे। इनमें एकता द्वार से नर्मदा माता की प्रतिमा तक का पैदल मार्ग, चरण- द्वद्ध, स्मार्ट बस स्टॉप, वियर डैम के पास प्रोटोकॉल वॉल भूमि समतलीकरण, सातपुड़ा सुरक्षा दीवार, बोन्साई गार्डन, ई-बस चार्जिंग स्टेशन, नर्मदा घाट पार्किंग, नया आवासीय भवन, मोखड़ी के पास एप्रोच मार्ग, कौशल्या पथ, लिमडी टेंट सिटी पहुंच मार्ग, गार्डन, टाटा नर्मदा घाट का विस्तार, बांध प्रतिकृति शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स का करेंगे शिलान्यास पीएम मोदी 681.55 करोड़ की

लागत से तैयार होने वाली कई नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। इन प्रोजेक्ट्स में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में 9 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले वीर बाल उद्यान भी शामिल है। यह उद्यान मार्च 2026 तक पूरा हो जाएगा, जिसमें महान बाल नायकों की कहानियों को विभिन्न रूपों में प्रस्तुत किया जाएगा। सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे पीएम पीएम 31 अक्टूबर की सुबह राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भाग लेंगे और सुबह 8 बजे सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्प अर्पित करेंगे।

इसके बाद भव्य परेड का निरीक्षण करेंगे। इस परेड में बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, एसएसबी समेत 16 टुकड़ियां हिस्सा लेंगी। परेड में ऑपरेशन सिंदूर में बीएसएफ के 16 पदक विजेता और सीआरपीएफ के 5 शौर्य चक्र विजेता भी शामिल होंगे। परेड का नेतृत्व हेराल्डिंग टीम के 100 सदस्य करेंगे, जबकि 9 बैंड टुकड़ियां और 4 स्कूल बैंड परेड में संगीतमय धुनें बजाएंगे। कई राज्यों की झांकियां भी होंगी शामिल परेड के बाद 10 झांकियां भी प्रस्तुत की जाएंगी।

इनमें एनडीआरएफ, एनएसजी, जम्मू-कश्मीर, अंडमान और निकोबार, पुडुचेरी, महाराष्ट्र, गुजरात, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड की झांकियां शामिल होंगी। ऑपरेशन सूर्यकिरण के तहत भारतीय वायुसेना का फ्लाई पास्ट, एनएसजी का हेल मार्च, सीआरपीएफ और गुजरात पुलिस की महिला दस्तों द्वारा राइफल ड्रिल, बीएसएफ का डॉग शो और असम पुलिस का मोटरसाइकिल स्टंट शो भी विशेष आकर्षण होंगे। 1,400 पुलिस जवानों के अलावा 9 हजार मेहमान रहेंगे मौजूद राष्ट्रीय एकता दिवस 2025 मनाने के लिए एकता नगर में करीब 9 हजार मेहमान उपस्थित रहने वाले हैं। इसके मद्देनजर गुजरात पर्यटन ने यहां बड़े स्तर पर इंतजाम किए हैं। मेहमानों की सुविधा के लिए, गुजरात पर्यटन विभाग ने 11 हाईटेक डोम बनाए हैं। इनमें से सात डोम मेहमानों के लिए, दो डोम 1,400 पुलिस जवानों के लिए और दो भोजन कक्षों के लिए बनाए गए हैं।

मुंबई में 17 बच्चों को बंधक बनाने वाले का एनकाउंटरः इलाज के दौरान मौत; स्टूडियो में बच्चों को ऑडिशन के बहाने बुलाया था, सभी बचाए गए

न्यूज क्राइम फाइल

मुंबई के पवई इलाके के रा स्टूडियो में गुरुवार को 17 बच्चों समेत 19 लोगों को बंधक बनाने वाला एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान फायरिंग में आरोपी रोहित आर्या को गोली लगी, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। रोहित ने दोपहर 1:45 बजे 17 बच्चे, एक सीनियर सिटिजन और एक नागरिक को बंधक बनाया था। पुलिस और स्पेशल कमांडो ने एक घंटे की कार्रवाई में सभी बंधकों को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस को घटनास्थल से एक एयरगन और केमिकल भी मिला था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 100 से ज्यादा बच्चों को ऑडिशन के लिए बुलाया था। आरोपी का नाम रोहित आर्या था। उसने बंधक बनाने के बाद वीडियो जारी किया था।

आरोपी रोहित बोला- मुझे बस कुछ सवाल पूछने हैं

रोहित ने बंधक बनाने के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें वह कह रहा था... मैं रोहित आर्या हूं। सुसाइड करने के बजाय मैंने एक योजना बनाई है और कुछ बच्चों को यहां बंधक बनाकर रखा है। मेरी ज्यादा मांगें नहीं हैं। मेरी बहुत ही साधारण मांगें हैं, नैतिक मांगें हैं और कुछ सवाल हैं। मैं कुछ लोगों से बात करना चाहता हूं, उनसे सवाल पूछना चाहता हूं और अगर उनके जवाबों के जवाब में मेरे पास कोई सवाल हो, तो मैं उनसे भी पूछना चाहता हूं, लेकिन मुझे ये जवाब चाहिए। मुझे और कुछ नहीं चाहिए। मैं कोई आतंकवादी नहीं हूं, न ही मैं बहुत ज्यादा पैसे की मांग करता हूं, और मैं कोई अनैतिक मांग नहीं कर रहा हूं। मैंने एक प्लान के तहत बच्चों को बंधक बनाया है। अगर मुझे थोड़ा भी उकसाया गया तो मैं इस जगह (स्टूडियो) को आग लगा दूंगा। मैंने आत्महत्या का कदम उठाने के बजाय यह प्लान बनाया था। मुझे उकसाया न जाए, नहीं तो मैं बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाला कदम उठा लूंगा।

पैसे बकाए के आरोप पर मंत्री का बयान

शिवसेना नेता और पूर्व मंत्री दीपक केसरकर ने एक न्यूज चैनल से बात करते हुए बताया कि जब मैं शिक्षा मंत्री था तब मैंने खुद रोहित आर्या को चेक से भुगतान किया था। केसरकर ने आगे कहा, किसी भी सरकारी भुगतान के लिए सभी प्रक्रियाएं पूरी करनी होती हैं। इसलिए उसका यह आरोप कि 2 करोड़ रुपए नहीं मिले, गलत है। इसके लिए उसे विभाग में जाकर दस्तावेज जमा करने चाहिए।

रोहित को दाईं तरफ सीने पर गोली लगी थी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित को दाईं तरफ सीने पर गोली लगी थी। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। मुंबई के जेजे हॉस्पिटल में रोहित का पोस्टमार्टम होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित ने दावा किया था कि माझी शाळा, सुंदर शाळा योजना का कॉन्सेप्ट उसी ने तैयार किया था। जिसे महाराष्ट्र सरकार ने 2022 में लागू किया था। रोहित ने आरोप लगाया था कि सरकार ने उसका आइडिया, स्क्रिप्ट और फिल्म के राइट्स तक इस्तेमाल किए लेकिन उसे क्रेडिट नहीं दिया।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623